भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

सैन्य कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2147

04 मार्च, 2020 को उत्तर के लिए

पाकिस्तान द्वारा सीमा का उल्लंघन

2147 . श्री सुनील बाबूराव मेंढे :
एडवोकेट ए.एम. आरिफ :
श्री एस. मुनिस्वामी :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिनांक 5 अगस्त, 2019 से लेकर अब तक, पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा भारत-पाक सीमा और नियंत्रण रेखा पर युद्ध-विराम और सीमा का उल्लंघन किए जाने का दिनांक-वार और स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) दिनांक 5 अगस्त, 2019 से जम्मू और कश्मीर संघ राज्यक्षेत्र में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ों की संख्या का दिनांक-वार और स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) नियंत्रण रेखा और सीमा पर युद्ध-विराम के उल्लंघन को कम करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त मुठभेड़ों में मारे गए आतंकियों और शहीद हुए भारतीय सैनिकों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त आतंकी आक्रमणों को रोकने और उनका मुकाबला करने हेतु सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क): भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा तथा नियंत्रण रेखा पर दिनांक 5 अगस्त, 2019 के बाद वर्ष 2019 में युद्ध-विराम उल्लंघन की 1586 घटनाएं और वर्ष 2020 के प्रथम दो माह (जनवरी/फरवरी) (23 फरवरी तक) के दौरान युद्ध-विराम उल्लंघन की 646 घटनाएं हुई हैं ।

इसके अलावा, जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर 5 अगस्त, 2019 से 31 दिसंबर, 2019 तक सीमा-पार गोलाबारी के 132 मामले और 01 जनवरी, 2020 से 15 फरवरी 2020 के बीच सीमा-पार गोलाबारी के 41 मामले हुए थे ।

(ख): दिनांक 05 अगस्त, 2019 से 23 फरवरी, 2020 तक जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ 27 मुठभेड़ हुई हैं । इन मुठभेड़ों में 45 आतंकवादियों को मार गिराया गया और इन कार्रवाइयों के दौरान हमारे 07 सुरक्षा बल कार्मिक भी शहीद हो गए ।

(ग) से (ङ): भारतीय सेना द्वारा युद्ध-विराम उल्लंघनों का यथा अपेक्षित समुचित प्रतिकार किया गया है । सभी युद्ध-विराम उल्लंघनों को हॉट लाइनों के स्थापित तंत्र, फ्लैग बैठकों, सैन्य संक्रिया महानिदेशालय की वार्ताओं के साथ-साथ दोनों देशों के बीच राजनयिक चैनलों के जरिए पाकिस्तानी प्राधिकारियों के साथ समुचित स्तर पर उठाया जाता है ।

जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद की हिंसक घटनाओं में पिछले तीन वर्षों के दौरान मारे गए आतंकवादियों और शहीद हुए सुरक्षा बल (एसएफ) कार्मिकों की संख्या निम्नानुसार है:-

क्रम.सं.	वर्ष	शहीद हुए सैनिक	मारे गए आतंकवादी
1	2017	80	213
2	2018	91	257
3	2019	80	157

सेना द्वारा अपने सभी कैंपों/गरीसन/संस्थापनाओं की संचालन प्रक्रियाओं और सुरक्षा प्रबंधनों की आवधिक समीक्षा और इनमें सुधार खतरा मूल्यांकन और पूर्व घटनाओं के विश्लेषण के आधार पर किया जाता है । इन समीक्षाओं के आधार पर ऐसे खतरों का सामना करने के लिए उपयुक्त कवायदें और प्रक्रियाएं अपनाई जाती हैं ।

******